**10 Aug Inauguration of Skill Entrepreneurship Workshop by ICFAI University, in association with BOSCH**

Morning India
www.sanmarglive.com
Ranchi, Wednesday
11 August 2021

# Inauguration of Skill Entrepreneurship Workshop by ICFAI University, in association with BOSCH

**RANCHI:** Workshop for aspiring entrepreneurs, who want to set up Skill Development Centres in Jharkhand, was held at ICFAI University, Jharkhand, in association with BOSCH India Foundation, through on line video conference. Mr. Pradyumna Mohanty, Regional Head-BRIDGE, BOSCH India Foundation (BOSCH), part of the German MNC, was the Guest of Honor on this occasion. A large number of aspiring entrepreneurs from Jharkhand, Bihar and UP participated in the workshop. They include some alumni of the University. Welcoming the participants Dr. Bhagabat Barik, Assistant Dean, highlighted how the workshop will help the aspiring entrepreneurs to be successful by understanding the skilling ecosystem.

Addressing the participants, Prof O R S Rao, Vice Chancellor of the University said, "In the current dynamic world, every individual should possess Knowledge as well as Skills so as to be successful professionally. Only 10% of Indians are vocationally trained compared to 96% in South Korea, 45% in China, 55% in USA and 74% in Germany. As per World Trade Organisation, GDP of India can go up by 3%, if India focusses on skill development of the Youth. Government of India and Jharkhand Government took a number of initiatives for skill development. In order to supplement these initiatives, ICFAI University, Jharkhand, signed an MOU with BOSCH to set up a centre of excellence in skill development". "As a part of this initiative, a Skill Entrepreneurship program is being launched by our University, in association with BOSCH, wherein the aspiring youngsters will be trained to set up skill development centres across Jharkhand. These centres will be training the youth, including school/college drop outs so that they can get entry level jobs in organised and semi-organised sectors like retail."

Addressing the participants, Mr. Pradyuma Mohanty said, "BOSCH developed 3 models of skill development- long term, medium term and short term. We tied up with ICFAI University to enhance the reach of our Skill Development initiatives. This Program consists of 2 months of classroom training and one month of hands-on training in industry. So far, BOSCH has trained over 33,000 school dropouts and helped them to settle in their lives. Referring to the skill entrepreneurship training program, he said that it will help in expanding the training capacity into urban and rural areas, where it is needed the most.

A video on the success case study of a young school dropout, who was benefited by the program, was also shown.

Dr. Subrato Kumar Dey, Associate Professor of the University and Subject Matter Expert of the Program explained about the various modules of the program and how it will help them to set up a viable skilling business.

Dr. Sudipta Majumdar, Associate Professor of the University proposed a vote of thanks.

## इक्फाई विवि में कौशल उद्यमिता पर कार्यशाला का उद्घाटन

# शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण क्षमता का विस्तार होगा : मोहंती

संवाददाता

**रांची :** झारखंड में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में ऑनलाइन वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कार्यशाला आयोजित की गई। विशिष्ट अतिथि जर्मन एमएनसी के बॉश इंडिया फाउंडेशन के रीजनल हेड-ब्रिज प्रद्युम्न मोहंती ने कहा कि बॉश ने कौशल विकास के 3 मॉडल विकसित किए हैं। जिसमे दीर्घकालिनी, मध्यम अवधि और अल्पकालिक है। कौशल विकास पहल की पहुंच बढ़ाने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय संग करार किया है। इस कार्यक्रम में 2 माह का कक्षा प्रशिक्षण और उद्योग में एक माह का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है। अब तक, बॉश ने 33,000 से अधिक स्कूल छोड़ने वालों को प्रशिक्षित किया है। उन्हें अपने जीवन में सफल होने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इससे शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण क्षमता का विस्तार करने में मदद मिलेगी, जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है। विश्वविद्यालय के सहायक डीन डॉ भागवत बारिक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कार्यशाला इच्छुक उद्यमियों को स्किलिंग इकोसिस्टम को समझकर सफल होने में मदद करेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआर एस राव ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय द्वारा बॉश के सहयोग से एक कौशल उद्यमिता कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। यह केंद्र स्कूल-कॉलेज छोड़ने वाले युवाओं को प्रशिक्षण देगा ताकि उन्हें खुदरा क्षेत्र जैसे संगठित और अर्ध-संगठित क्षेत्रों में प्रवेश स्तर की नौकरी मिल सके। मौके पर लाभांवित हुए एक युवा स्कूल ड्रॉपआउट की सफलता की केस स्टडी पर एक वीडियो भी दिखाया गया। विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर सह विषय विशेषज्ञ डॉ सुब्रतो कुमार डे ने विभिन्न मॉड्यूल के बारे में बताया। बताया कि कैसे उन्हें एक व्यवहार्य कौशल व्यवसाय स्थापित करने में मदद करेगा। मौके पर झारखंड, बिहार व उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में उद्यमी शामिल हुए। इनमें विश्वविद्यालय के कुछ पूर्व छात्र भी शामिल थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुदीप्त मजूमदार ने किया।

राष्ट्रीय सागर
रांची
बुधवार, 11 अगस्त 2021
12
web: rashtriyasagar.com

# बॉश के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय ने कौशल उद्यमिता कार्यशाला आयोजित की

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

**रांची :** झारखंड में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए बॉश इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर श्री प्रद्युम्न मोहंती, रीजनल हेड-ब्रिज, जर्मन एमएनसी के बॉश इंडिया फाउंडेशन (बॉश) के विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में इच्छुक उद्यमियों ने भाग लिया। इनमें विश्वविद्यालय के कुछ पूर्व छात्र भी शामिल हुए। सहभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के सहायक डीन डॉ. भागबत बारिक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कार्यशाला इच्छुक उद्यमियों को स्किलिंग इकोसिस्टम को समझकर सफल होने में मदद करेगी।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, 'वर्तमान गतिशील दुनिया में, प्रत्येक व्यक्ति के पास ज्ञान के साथ-साथ कौशल भी होना चाहिए ताकि वे पेशेवर रूप से सफल हो सके। दक्षिण कोरिया में 96%, चीन में 45%, संयुक्त राज्य अमेरिका में 55% और जर्मनी में 74% की तुलना में केवल 10% भारतीय व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित हैं। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार, यदि भारत युवाओं के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, तो भारत का सकल घरेलू उत्पाद 3% बढ़ सकता है। भारत सरकार और झारखंड सरकार ने कौशल विकास के लिए कई पहल की हैं। इन पहलों को पूरा करने के लिए, इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड ने कौशल विकास में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए बॉश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस पहल के रूप में, हमारे विश्वविद्यालय द्वारा बॉश के सहयोग से एक कौशल उद्यमिता कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिसमें इच्छुक युवाओं को झारखंड भर में कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। यह केंद्र स्कूल/कॉलेज छोड़ने वाले युवाओं सहित युवाओं को प्रशिक्षण देगा ताकि उन्हें खुदरा क्षेत्र जैसे संगठित और अर्ध-संगठित क्षेत्रों में प्रवेश स्तर की नौकरी मिल सके।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री प्रद्युम्न मोहंती ने कहा 'बॉश ने कौशल विकास के 3 मॉडल विकसित किए है जिसमे दीर्घकालिक, मध्यम अवधि और अल्पकालिक है। हमने अपनी कौशल विकास पहल की पहुंच बढ़ाने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय के साथ करार किया है।' इस कार्यक्रम में 2 महीने का कक्षा प्रशिक्षण और उद्योग में एक महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है। अब तक, बॉश ने 33,000 से अधिक स्कूल छोड़ने वालों को प्रशिक्षित किया है और उन्हें अपने जीवन में सफल होने में मदद की है। कौशल उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण क्षमता का विस्तार करने में मदद मिलेगी, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

कार्यक्रम से लाभान्वित हुए एक युवा स्कूल ड्रॉपआउट की सफलता के केस स्टडी पर एक वीडियो भी दिखाया गया। डॉ. सुब्रतो कुमार डे, विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर और कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ ने कार्यक्रम के विभिन्न मॉड्यूल के बारे में बताया और कहा की कैसे उन्हें एक व्यवहार्य कौशल व्यवसाय स्थापित करने में मदद करेगा। विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुदीप्त मजूमदार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

# इक्फाइ में कौशल उद्यमिता कार्यशाला

**रांची.** इक्फाइ विवि में बॉश इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कौशल उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर फाउंडेशन के रीजनल हेड ब्रिज प्रद्युमन मोहंती ने कहा कि बॉश ने कौशल विकास के तीन मॉडल विकसित किये हैं, जो दीर्घकालिक, मध्यम अवधि और अल्पकालिक हैं. उन्होंने कहा कि कौशल विकास के लिए इक्फाइ विवि के साथ समझौता किया गया है. इसके तहत दो महीने का कक्षा प्रशिक्षण और उद्योग में एक महीने का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल हैं. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि वर्तमान गतिशील दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति के पास ज्ञान के साथ-साथ कौशल भी होना चाहिए ताकि वे पेशेवर रूप से सफल हो सके. दक्षिण कोरिया में 96%, चीन में 45%, संयुक्त राज्य अमेरिका में 55%, जर्मनी में 74% की तुलना में भारत में केवल 10% भारतीय व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित हैं. डॉ सुब्रतो कुमार डे ने कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की. डॉ सुदीप्त मजूमदार ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

प्रभात खबर Wed, 11
https://